Contents

Note from Editors v

1. Eco-Centric Moral Views & The Vedic Tradition
   Arup Jyoti Sarma 1
2. Significance of the Yajurveda in Mathematical Study : Modern Perspective
   Daya Shankar Tiwary 21
3. Theory of Śābdabodha in Bhāṣāratna of Kaṇāda Tarkavāgīśa
   Devalina Saikia 31
4. Kakawin : Revisiting Raṃāyaṇa (with special emphasis on the Nāṭyaśāstra)
   Geeta Kumari Meena 62
5. The Common Denominator for an Effective Inter-Faith Dialogue
   Krishnan Sugavanam 73
6. Structural Concept of Reality, Thought and Language in View of Vedānta and Nyāya
   R.S. Dubey & Sarvesh Kumar Mishra 83
7. Grounds of Harmony in Indian Tradition (with Special Reference to Indian Philosophies & Religions)
   Satyamurti 105
8. प्राचीन भारत में मानवाधिकार का मौलिक स्वरूप
   अनिल कुमार 116

9. सांख्य योगदर्शन के पारिभाषिक शब्दों के विश्लेषण हेतु वेबतन्त्र का विकास
अञ्जु एवं सुभाष चन्द्र 123

10. संस्कृत सनाद्यन्त विश्लेषक
भूपेन्द्र कुमार एवं सुभाष चन्द्र 131

11. वैदिक ब्रह्मचारी और लोकाचार विज्ञान
गजेन्द्र कुमार 141

12. आयुर्वेद में उपशय चिकित्सा एवं व्याधिक्षमत्व : आधुनिक विज्ञान के सन्दर्भ में
ईवाना वशिष्ठ 148

13. श्रीमद्भगवद्गीता का दार्शनिक सिद्धान्त एवं उसका गहन पारिस्थितिकीय महत्त्व
मनीषा कुमारी 155

14. वाक्पारुष्य एवं मानहानि
निधि त्रिपाठी 161

15. वैदिक देवताओं का वैज्ञानिकत्व
प्रवीण कुमार द्विवेदी 171

16. संस्कृत साहित्य में प्रयुक्त तद्धितान्त पदों की पहचान एवं विश्लेषण
साक्षी एवं सुभाष चन्द्र 187

17. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र में स्वच्छन्दतावाद
वशिष्ठ बहुगुणा 197

18. अथर्ववेदीय तक्मनाशन सूक्त का आधुनिक सन्दर्भ में विमर्श
वेदांशु 216

19. ई-शिक्षण हेतु संस्कृत क्रियापदों की रूपसिद्धि के लिए वेब तन्त्र का विकास
विवेक कुमार एवं सुभाष चन्द्र 224

20. वैदिकव्याकरणे निर्दिष्टसन्धीनां चिन्तनम्
अभिजित दीक्षितः 234

21. पुनर्जन्मविज्ञानम्
अमित कुमार डे 248

22. नामकरणपरम्परायां तद्धितप्रत्ययान्तनामकरणस्य विश्लेषणम्
अनिल कुमार आर्यः 260
23. आधुनिकविज्ञाने प्रश्नोपनिषदः प्रासङ्गिकता
अनुसरिता मण्डल 269
24. मातृका-वर्ण-विमर्शः
भास्कर राय 278
25. बाह्चे वेदान्तदृष्ट्या दार्शनिकसूक्तानां विमर्शः
नवीन भट्ट 288
26. वैदिकच्छन्दसां स्वरूपविश्लेषणम्
पार्थसारथि शील 301
27. अथर्ववेदे सर्पविषचिकित्सा
राकेश कुमार 311